समाचार बुलेटिन NEWS BULLETIN

सितंबर–अक्तूबर 2012 September-October 2012

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान National Institute of Open Schooling

''कौशल विकास के लिए लचीले मॉडल'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

International Symposium on “Flexible Models for Skill Development”

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) और मुक्त पॉलिटेक्निक, न्यूजीलैंड ने संयुक्त रूप से ''कौशल विकास के लिए लचीले मॉडल'' पर 17 अक्तूबर, 2012 को एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

Jointly organised by the National Institute of Open Schooling (NIOS) and Open Polytechnic of New Zealand, an International Symposium on “Flexible Models for Skill Development” was held on 17th October, 2012 at the India Habitat Centre, New Delhi.

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने कहा कि यह कार्यशाला भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम को पूरा करने, कौशल विकास के लचीले मॉडलों के विकास तथा एक विशाल कार्यशक्ति तक पहुँचने के उद्देश्य से कौशल प्रशिक्षण की एक नवीन योजना पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (एनवीईक्यूईएफ) के साथ एनआईओएस के उद्देश्यों को एकीकृत करने में भी सक्षम होगी।

श्री कपिल सिब्बल, माननीय मा.सं.वि.मं., भारत सरकार प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए
Sh. Kapil Sibal, Hon'ble Minister for HRD, GOI addressing the participants

Welcoming the participants, Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS said that this workshop would focus on the development of flexible models of skills development and an innovative system of skill training with an objective of reaching out to a huge workforce and to fulfill the Government of India’s skill development programme. This, he said would also enable in integrating the objectives of NIOS with that of the National Vocational Education Qualification Framework (NVEQF).

श्री कपिल सिब्बल, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने भारत में 1.7% वार्षिक दर पर बढ़ रही कार्यशक्ति की बहुत बड़ी संभावना की ओर इंगित किया। यद्यपि, व्यावसायिक प्रशिक्षण की क्षमता 3 मिलियन की है जबकि वार्षिक आवश्यकता 10 मीलियन है, ये चुनौती आवश्यक कौशल प्रदान कर इस अंतर को पाटने के लिए है। विद्यालयी स्तर से प्रारंभ शिक्षा की व्यावसायीकरण की महत्ता पर बोल रही श्रीमती (डॉ.) पुरंदेश्वरी, राज्यमंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि शिक्षार्थी केन्द्रित में नवप्रवर्तन की तुरंत आवश्यकता है। व्यावसायिक संस्थान बदलती तकनीकों के साथ इन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान के लिए व्यक्तिगत सशक्तीकरण प्रमाणन की प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए यह आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह एक दिवसीय संगोष्ठी 2020 तक जनशक्ति की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों के साथ सामने आएगी।

Sri Kapil Sibal, Hon’ble Minister for Human Resource Development, GOI pointed out the enormous potential of the work force in India which was growing at a rate of 1.7% annually. However, with a capacity for vocational training limited to just 3 million via-a-vis the annual need of about 10 million, the challenge is to bridge this gap by providing the required skill base. He added that imparting these skills should include an element of continuum giving students theability to learn and unlearn making the system flexible. Speaking on the importance of vocationalisation of education starting from the school stage, Smt. (Dr) D. Purandeswari, Hon’ble Minister of State, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, said that there is an urgent need for innovation which is student-centric and learner-centric. Vocational institutions facing these challenges with changing technologies should meet this need to provide a system of certification empowering individuals to contribute to the national economy. She hoped that this one day symposium will come out with strategies to meet the diverse needs of manpower by 2020.

श्री आर. भट्टाचार्य, सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मा.सं.वि., भारत सरकार ने ज्ञान और कौशल की एक श्रृंखला के अनुसार योग्यता का आयोजन, शैक्षिक और व्यावसायिक शिक्षा के बीच सम्मान की समता सुनिश्चित करने, उसके द्वारा सम्मिलित विकास को बढ़ावा देने वाली एनवीईक्यूएफ की व्याख्या को स्पष्ट किया। एनआईओएस अपनी अंतर्निहित सुविधाओं से इस दिशा में एक सार्थक भूमिका निभाएगा।

Sri R. Bhattacharya, Secretary, School Education & Literacy, MHRD, Govt. of India explained the NVEQF which organizes qualifications according to a series of knowledge and skill, ensuring parity of esteem between academic and vocational education, thereby promoting inclusive growth. The NIOS with its inbuilt flexibilities will play a significant role in this direction.

सभा को संबोधित करते हुए श्री स्टीवन जॉइस, माननीय टर्टियरी एजुकेशन, कौशल और रोजगार मंत्री, न्यूजीलैंड ने आशा व्यक्त की कि यह संगोष्ठी 2022 तक आपसी सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में न्यूजीलैंड द्वारा अधिकृत पुराने विचारों के नवाचार और भारत में 500 मिलियन लोगों की कुशलता उपलब्ध कराने की अति विशाल चुनौती को ध्यान में रखते हुए शिक्षा के लिए सुनिश्चित अवसर प्रदान करेगी।

Addressing the gathering, Mr. Steven Joyce, Hon’ble Minister for Tertiary Education, Skills & Employment, New Zealand expressed hope that this symposium will provide a tangible opportunity for learning through collaboration, keeping in view the massive challenge of providing skills to 500 million people in India by 2022 and the long tradition of innovation in the field of vocational education possessed by New Zealand.

श्री डाउग स्टैंडरिंग, कार्यकारी निदेशक, विपणन और संचार, ओपन पॉलिटेक्निक ऑफ न्यूजीलैंड ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Sri Doug Standring, Executive Director, Marketing and Communication, Open Polytechnic of New Zealand proposed a vote of thanks.

भारत में वर्चुअल मुक्त विद्यालयी शिक्षा पर राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला

16 अक्तूबर 2012 को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नोएडा ने कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर, एशिया (सीईएमसीए), नई दिल्ली के सहयोग से भारत में वर्चुअल मुक्त विद्यालयी पर राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में किया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. संयम भारद्वाज, निदेशक (विद्यार्थी सहायता सेवाएँ), एनआईओएस ने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला वर्चुअल मुक्त विद्यालयी शिक्षा की रूपरेखा तैयार करने में सक्षम होगी।

उद्घाटन भाषण देते हुए सुश्री राधा चौहान, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने एनआईओएस और सेमका को भारत में वर्चुअल मुक्त विद्यालयी शिक्षा की स्थापना की इस महान यात्रा को प्रारंभ करने के लिए बधाई दी। बारहवीं पंचवर्षीय योजना में 14-16 वर्ष की आयु के शिक्षार्थियों के लिए 20,000 विद्यालयों की स्थापना के विशाल लक्ष्य के साथ ऐसे स्कूलों की समर्थ्यता को बढ़ाने की विशेष ध्यान रखते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि वर्चुअल मुक्त विद्यालयी शिक्षा उपलब्धता, लिंग और समानता के संदर्भ में एक सार्थक समाधान प्रस्तुत करेगा। आईसीटी के महत्व को स्पष्ट करते हुए जो प्रत्यक्ष मंच पर प्रासंगिक उपकरण प्रदान करता है, सुश्री चौहान ने ई-विषयवस्तु को तैयार करने और उसका प्रसार करने की तुलना में इस सामान्य विश्वास को भी इंगित किया कि एक शिक्षक का कोई विकल्प नहीं है। हालांकि उन्होंने एनआईओएस से राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आर.एम.एस.ए.) के लक्ष्य को प्राप्त करने के लक्ष्य को पूरा करने वाली कौशलताओं की रणनीतियों को अपनाकर इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करने का आग्रह किया।

वर्चुअल ओपन स्कूलिंग पर कार्यशाला का उद्घाटन करती हुई सुश्री राधा चौहान, संयुक्त सचिव, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार
Ms. Radha Chauhan, JS, SE, MHRD, GOI inaugurating the Workshop on Virtual Open Schooling

इससे पहले डॉ. एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि भारत में इस प्रकार की यह पहली कार्यशाला है जो 14-18 वर्ष की आयु वर्ग के 97 लाख शिक्षार्थियों के विशाल समूह को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई है, जो माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने योग्य होंगे। उन्होंने कहा ''वर्चुअल मुक्त विद्यालयी शिक्षा विश्व के विभिन्न भागों में एक महत्वपूर्ण धारणा है जिसका उपयोग इस प्रकार के शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा के वैकल्पिक मॉडल बनाने के लिए किया जा सकता है।'' डॉ. जेना ने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला आईसीटी सहित उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करते हुए राज्य मुक्त विद्यालयों के परामर्श से भारत में वर्चुअल मुक्त विद्यालयी के लिए एक संघ अवधारणा का विकास करेगी। भारत सरकार के मा.शि.अ. सहित संबंधित एकीकृत मामलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. संजय मिश्रा, निदेशक, कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका), नई दिल्ली ने स्पष्ट किया कि आईसीटी जो देशभर में मुक्त विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय संघ (एनकॉस) में निहित है, वर्चुअल मुक्त विद्यालयी और इसे ओर अधिक प्रभावी और कुशल बनाने की एकीकृत अवधारणा के संबंध में मौजूदा मुक्त विद्यालयी शिक्षा स्वरूप के उन्नयन के लिए प्रयोग किया जाएगा। यह शिक्षार्थियों की किसी भी प्रणाली के पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए उनकी इच्छानुसार एक प्रणाली से क्रेडिट और प्रमाणन के स्थानांतरण को सक्षम बनाने के संबंध में उनकी मदद करेगा। भारत में वर्चुअल मुक्त विद्यालयी शिक्षा विकास की प्रक्रिया को निश्चित करने के लिए एनआईओएस और सेमका के बीच संबंधित हस्ताक्षरी श्री उदय नारायण खवाड़े, एनआईओएस और डॉ. संजय मिश्रा, सेमका द्वारा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

श्री उदय नारायण खवाड़े, सचिव, एनआईओएस ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

National Consultative Workshop on Virtual Open Schooling in India

A National Consultative Workshop on Virtual Open Schooling in India was organized on 16 October 2012 by the National Institute of Open Schooling (NIOS), NOIDA in collaboration with the Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi at the India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi.

Welcoming the participants, Dr. Sanyam Bhardwaj, Director (Student Support Services), NIOS hoped that this workshop would enable the creation of a roadmap on Virtual Open Schooling.

Delivering the inaugural address, Ms. Radha Chauhan, Joint Secretary, School Education, Ministry of Human Resource Development, Government of India congratulated the NIOS and CEMCA for embarking on this great journey of setting up Virtual Open Schooling in India. With a huge target of setting up 20,000 schools for learners in the age group of 14-16 years, in the XII[th] Five Year Plan and the physical constraints of putting up such schools to enable access, she hoped that Virtual Open Schooling would offer a significant solution in terms of access, gender and equity. Explaining the importance of ICT as an enabler which will provide relevant tools on a virtual platform, Ms. Chauhan also pointed out the huge challenge of developing and delivering e-content vis-a vis the common belief that a teacher cannot be replaced. She, however urged the NIOS to take up this task on a priority basis by woking out the strategies to be adopted to meet the goal of Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan (RMSA)

Earlier, Dr. S. S. Jena, Chairman, NIOS, in his introductory remarks said that this was a first of its kind workshop in India, which was organized keeping in view the huge target of 97 million learners in the age group of 14-18 years who would be eligible for Secondary Education. "Virtual Open Schooling is a significant concept in many parts of the world which could be utilized to create an alternate model of education for such a group of learners", he said. Dr. Jena hoped that this workshop would develop a consortium approach to Virtual Open Schooling in India in consultation with State open Schools, by utilizing the available resources including ICT. These issues will be discussed to be relevantly integrated with the Government of India's RMSA.

Addressing the gathering, Dr. Sanjaya Mishra, Director, Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi explained that ICT would be used to leverage the existing Open Schooling structure that exists in the country in the form of the National Consortium for Open Schooling (NCOS), thereby integrating the concept of Virtual Open Schooling and making it more effective and efficient. This would help learners to enroll for courses from any system thereby enabling Transfer of Credit and Certification from a system of their choice. To formalize the process of developing Virtual Open Schooling in India, an MOU was signed between NIOS and CEMCA by Sh. U.N. Khaware, Secretary, NIOS and Dr. Sanjaya Mishra, Director, CEMCA being the respective signatories.

Sh. U.N. Khaware, Secretary, NIOS proposed a vote of thanks.

अफगानिस्तान के लिए मुक्त विद्यालयी शिक्षा

12 सितंबर, 2012 को फारूक वरधाक, शिक्षा मंत्री, इस्लामी रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने अफगानिस्तान में स्कूली शिक्षा को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से विश्वसनीय मुक्त दूरस्थ शिक्षा स्थापित करने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) का दौरा किया। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में श्री वरधाक ने अफगानिस्तान के पुनर्वास के लिए विशेषरूप से इसकी शिक्षा प्रणाली के लिए भारत द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। 40% स्कूल न जाने वाली जनसंख्या सहित 2015 तक 'सबके लिए शिक्षा' प्रदान करने की विशाल चुनौती की ओर इंगित करते हुए अफगानिस्तान द्वारा इस दिशा में मुक्त विद्यालयी शिक्षा की सक्षमताओं और विशेषताओं का लाभ उठाने के लिए एक प्रमुख निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है पर जोर दिया।

डॉ. एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने अफगानिस्तान में एक मुक्त विद्यालय की स्थापना के लिए एक व्यवहार्यता रिपोर्ट पेश करने के दौरान कठिन भू-भाग, कठोर जलवायु इत्यादि जैसी बाधाओं को स्पष्ट किया जो 76.18% की ग्रामीण जनसंख्या और किशोर शैक्षिक दर मात्र 26% वाले 42 वें सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश के शैक्षिक विकास के मार्ग में बाधक हैं। अनेक कारणों की वजह से जैसे जलवायु, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सीमित पहुंच, महिला अध्यापिकाओं की कमी इत्यादि के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों की आयु के लगभग 5 मिलियन बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं और बहुत बड़ी संख्या में लड़कियाँ बीच में ही स्कूल जाना छोड़ देती हैं।

डॉ. एस.एस. जेना ने प्रस्ताव दिया कि मुक्त विद्यालय की अंतर्निहित विशेषताएँ प्राथमिकता लक्ष्य समूह के रूप में 13-25 वर्ष के किशोरों के लिए सामान्य शिक्षा में एक त्वरित शिक्षा कार्यक्रम सहित अफगानिस्तान में निहित ऐसी परिस्थिति के लिए व्यवहार्य होंगी। उन्होंने कहा कि एनआईओएस जैसे सुस्थापित संस्थान की परामर्शी सहायता से प्राथमिकता लक्ष्य समूह वाले, अफगानिस्तान के कुछ प्रांतों में मुक्त विद्यालयी शिक्षा को प्रायोगिक के आधार पर शुरू किया जा सकता है।

इससे पहले डॉ. संयम भारद्वाज, निदेशक (विद्यार्थी सहायता सेवाएँ), एनआईओएस ने प्रतिनिधि मंडल को एनआईओएस की मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रणाली से परिचित कराया।

श्री उदय नारायण खवाड़े, सचिव, एनआईओएस ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

''मुक्त विद्यालयी शिक्षा के लिए शैक्षिक सामग्री'' पर दो दिवसीय द्वितीय राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला

शैक्षिक विभाग, एनआईओएस द्वारा 5-6 सितंबर, 2012 को ''मुक्त विद्यालयी शिक्षा के लिए शैक्षिक सामग्री'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशालाओं की श्रृंखला में यह दूसरी कार्यशाला थी और जो मुक्त विद्यालयी शिक्षा योजना की स्व अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, प्रशासकों, शोधकर्ताओं और हितधारकों के विचार-विमर्श के लिए आयोजित की गई। दो दिनों की परामर्शी कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. बी.पी. खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष, सीबीएसई और पूर्व निदेशक, न्यूपा, नई दिल्ली थे।

डॉ. कुलदीप अग्रवाल, निदेशक (शैक्षिक) ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. एस. एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने ''मुक्त शिक्षा के लिए शैक्षिक सामग्री'' विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने सृजनात्मक शिक्षाशास्त्र की अवधारणा को विस्तारपूर्वक समझाया। प्रो. बी.पी. खंडेलवाल ने उद्घाटन भाषण दिया।

कार्यशाला में चार सैद्धांतिक सत्रों के बाद प्रत्येक पर समूह चर्चा की गई। विशेषज्ञों में श्री जी. रविन्द्रा, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी, प्रो अम्बष्ट, पूर्व अध्यक्ष, एनआईओएस, श्री मनोचा, निदेशक, डीएआईएसवाई, डॉ. संजय मिश्रा, निदेशक, सेमका, प्रो. संतोष पांडा, इग्नू शामिल थे।

प्रो. अम्बष्ट, पूर्व अध्यक्ष, एनआईओएस ने समापन भाषण दिया।

डॉ. एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस दीप प्रज्जवलित करते हुए। साथ में प्रो. खंडेलवाल, डॉ. कुलदीप अग्रवाल और श्री यू.एन. खवाड़े

Dr. S.S. Jena, Chairman NIOS light the lamp while Prof. Khandelwal, Dr. Kuldeep Agarwal and Sh. U. N. Khaware look on

OPEN SCHOOLING FOR AFGHANISTAN

A delegation led by H.E Farook Wardhak, Minister of Education, Islamic Republic of Afghanistan visited the National Institute of Open Schooling (NIOS) on 12th September 2012 to study the feasibility of establishing a credible Open Distance Learning (ODL) system with a view to facilitate school education in Afghanistan. Speaking on the occasion, Sri. Wardhak expressed his gratitude for the support extended by India for rehabilitation of Afghanistan, especially, its education system. Pointing out the massive challenge of providing "Education for All" by 2015 with 40% of its population out of school, he emphasized on the need for Afghanistan to make use of the potentialities & advantages of the Open schooling as a major step in this direction.

Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS, while presenting a feasibility report for setting up an Open School in Afghanistan elaborated the disadvantages such as its difficult terrain, harsh climate etc., which stood in the way of the educational development of the 42nd most populated country with a rural population of 76.18% and an adult literacy rate of only 26%. About 5 million children in the school-going age are not in school with a large number of girls dropping out, due to various reasons such as climatic condition, limited access for rural areas, lack of female teachers etc.

Dr. Jena proposed that the inherent characteristics of open schooling would be feasible for such a situation that exists in Afghanistan with an Accelerated Learning Programme in General Education for youths in the 13-25 yrs. as the priority target group. Open Schooling, he said, may be launched on a pilot basis in a few provinces of Afghanistan having the priority target group along with mentoring support from a well established institution such as the NIOS.

Earlier, Dr. Sanyam Bharadwaj, Director (Student Support Services), NIOS introduced the NIOS system of Open Schooling to the visiting team.

Sri U.N. Khaware, Secretary, NIOS proposed a vote of thanks.

A TWO DAY SECOND NATIONAL CONSULTATIVE WORKSHOP ON "LEARNING MATERIALS FOR OPEN SCHOOLING"

A two day National Consultative Workshop was organised by the Academic Department of NIOS from 5th to 6th September, 2012 on "Learning Materials for Open Schooling". This workshop was second in the series of National Consultative Workshop and sought to engage educationists, policy-makers, administrators, researchers and stakeholders to deliberate upon improving the quality of Self Learning materials of Open schooling System. The Chief Guest for this Consultative Workshop was Prof. B.P. Khandelwal, Former Chairman, CBSE and Former Director NUEPA, New Delhi.

Dr. Kuldeep Agarwal, Director, Academic welcomed the delegates and explained the purpose of the workshop. Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS delivered the keynote address on the topic "Learning Materials for Open Learning". He elaborated the concept of Constructivist Pedagogy. Prof. B.P. Khandelwal delivered the inaugural address.

There were four thematic sessions followed by group discussions on each. The resource persons included Prof. G. Ravindra, Former Director, NCERT, Prof. Ambasht, Former Chairman, NIOS, Shri Manocha, Director DAISY, Dr. Sanjay Mishra, Director, CEMCA and Prof. Santosh Panda, IGNOU.

Prof. Ambasht, Former Chairman, NIOS delivered the Valedictory Address.

हिंदी पखवाड़ा समारोह : 2012

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा के तत्वाधान में 14 सितंबर से 28 सितंबर 2012 तक हिंदी पखवाड़ा समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

14 सितंबर, 2012 को हिंदी दिवस समारोह संस्थान के ऑट्रियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सितांशु शेखर जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने की अपील की और कुछ सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर संस्थान के सचिव श्री उदय नारायण खवाड़े ने सरकारी कामकाज में हिंदी के महत्त्व पर प्रकाश डाला और समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को इस दिशा में कार्य करने के लिए आग्रह किया।

हिंदी दिवस समारोह
Hindi Fortnight Function

पखवाड़े के दौरान निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई :

1. राजभाषा ज्ञान,
2. श्रुतलेखन,
3. वाद-विवाद,
4. कंप्यूटर पर हिन्दी ज्ञान,
5. कविता पाठ,
6. प्रश्न मंच

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 28 सितंबर, 2012 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि हिंदी के प्रसिद्ध आलोचक, संपादक, यात्रा और संस्मरण लेखक और इंदिरा गाधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत प्रोफेसर सत्यकाम जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी काम काज में हिंदी का प्रयोग केवल पखवाड़े के दौरान ही नहीं अपितु वर्ष भर होना चाहिए।

HINDI FORTNIGHT FUNCTION - 2012

Under the auspices of National Institute of Open Schooling (NIOS), NOIDA Hindi Fortnight Function was celebrated from 14th September to 28th September, 2012.

Hindi Fortnight was celebrated in the NIOS premises on 14th September, 2012. On this occasion, addressing the gathering, Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS appealed to promote the use of Hindi in the organisation and offered some suggestion also.

On this occasion, Shri U.N. Khaware, Secretary, NIOS highlighted the importance of Hindi in official work and requested to all NIOS officials to work in this direction.

During the Fortnight following competitions were organised :

1. Official Language,
2. Dictation,
3. Debate,
4. Computer based Hindi knowledge,
5. Poem reciation,
6 Quiz.

An award distribution function was organised on 28th September, 2012. The chief guest of this function was Prof. Satyakam, a famous critic, Editor and eminent writer and Professor in Indira Gandhi National Open University. In this address to appealed to all the officials to not to restrict working in hindi during this fortnight but to continue it whole year.

प्रभावी संचार और ऑनलाइन मंचों पर प्रौद्योगिकी अभिविन्यास कार्यशाला

सक्षमता निर्माण प्रकोष्ठ की सहायता से कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रयोगशाला, एनआईओएस, नोएडा में 13 अक्तूबर, 2012 को इंटेल के सहयोग से एक प्रौद्योगिकी अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री एस.के. प्रसाद और श्री प्रमोद त्रिपाठी, एनआईओएस और इंटेल विशेषज्ञ व्यक्ति द्वारा कार्यशाला के विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। सत्र की शुरुआत एनआईओएस के विशेषज्ञों द्वारा एनआईओएस ई-मेल विशेषताओं और उसके गठन से लेकर आउटलुक एक्सप्रेस तक की गई। इसके बाद संपर्क करने और सहयोग करने के एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में इंटरनेट को एक्सप्लोर करने का सत्र आयोजित किया गया। इस परिप्रेक्ष्य में आउटलुक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

वेब 2.0 प्रौद्योगिकियों पर सहयोग और ऑनलाइन मंचों के आयोजन के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में प्रकाश डाला गया। एनआईओएस के सभी शिक्षार्थियों के लिए एक दूसरे से आदान-प्रदान और संपर्क करने के लिए एक सामान्य मंच के रूप में एक ऑनलाईन समुदाय तैयार करने के लिए एक आम सहमति तैयार की गई।

एनआईओएस कर्मचारियों की दिन-प्रतिदिन की दिनचर्या में विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्काइप एप्लीकेशन प्रयोग करने पर एक डेमो दिया गया। प्रयोग टैक्स्ट और वॉयस चैट पर एक लाइव डेमो, फाइल और डैस्कटॉप शेयर करने के तरीकों सहित वीडियो चैट की सराहना की गई। सभी क्षेत्रीय निदेशकों के साथ शीघ्र ही एक वेबीनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

एनआईओएस ऑनलाइन समुदाय (http://rdonlinecommunity.blogspot.com) भी दर्शाया गया और एनआईओएस जैसे दूरस्थ शिक्षा के वातावरण में इस तरह के ऑनलाइन समुदायों की उपयोगिता पर चर्चा की गई।

TECHNOLOGY ORIENTATION WORKSHOP ON EFFECTIVE COMMUNICATION AND ONLINE FORUMS

The Computer Unit with the help of the Capacity Building Cell organized a Technology Orientation workshop in collaboration with Intel on 13th October 2012 in the Computer Training Lab at NIOS, NOIDA.

The various sessions of the workshop were conducted by Sh. S.K. Prasad and Sh. Pramod Tripathi from NIOS and the Intel Resource person. The session started with the NIOS e-mail features and its configuration to outlook express by the NIOS resource persons, followed by a session on exploring Internet as an effective medium to communicate and collaborate. In this context, Outlook software application was also explored in detail.

Web 2.0 Technologies were highlighted as an effective medium to collaborate and conduct online forums. A consensus was formed to create an online community as one common platform for all NIOS Learners to share and interact with each other.

A demo on using Skype Application was allied with the specific needs of NIOS officials in their day-to-day routine. A complete live demo on using text and voice chat, video chat along with file and desktop sharing modalities was appreciated. It was decided to hold a webinar with all Regional Directors soon.

The NIOS Online Community (http://rdonlinecommunity.blogspot.com) was also showcased and utility of such online communities in distance learning environment as that of NIOS was discussed.

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के साथ आईसीटी के एकीकरण पर प्रशिक्षण कार्यशाला

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में आईसीटी के एकीकरण पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सक्षमता निर्माण कक्ष, शैक्षिक विभाग द्वारा 26 सितंबर, 2012 से 10 अक्तूबर, 2012 तक सम्मेलन कक्ष, अध्यक्ष ब्लॉक, एनआईओएस में किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में बांग्लादेश मुक्त विश्वविद्यालय के 22 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. एस.एस. जेना, (अध्यक्ष, एनआईओएस) ने सत्र का उद्घाटन किया और डॉ. मोहसिनुद्दीन, एसोसिएट प्रोफेसर, बीओयू को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया। तत्पश्चात डॉ. कुलदीप अग्रवाल, निदेशक (शैक्षिक) ने प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताया।

डॉ. जेना ने मुख्य भाषण दिया और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश मुक्त विश्वविद्यालय और एनआईओएस दोनों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक साझा अनुभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से बीओयू का व्यावसायिक विकास संभव हो सकता है, जो पाठ्यक्रम नवीकरण की प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने संचार और शिक्षा के मामले में बांग्लादेश की उत्तम रेडियो कार्यक्रम योजना पर विशेष जोर दिया। डॉ. जेना ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी दोनों की सार्थकता को स्पष्ट किया।

प्रथम सत्र से पहले, श्री मोहसिनुद्दीन (एसोसिएट प्रोफेसर, बीओयू) एवं प्रतिनिधिमंडल के अग्रणी ने बांग्लादेश मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम, समयावधियों और अध्ययन सामग्री की एक संक्षिप्त रूपरेखा दी। उन्होंने वास्तविकता से पुन: अवगत कराया कि कैसे शिक्षाविदों और कार्यक्रम सुधार के संदर्भ में यह प्रशिक्षण कार्यशाला उनके लिए लाभप्रद हो सकती है। फिर, डॉ. कुलदीप अग्रवाल (निदेशक, शैक्षिक) ने प्रतिभागियों को ''मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा : वैचारिक विश्लेषण, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और स्थानीय परिप्रेक्ष्यों'' के बारे में स्पष्ट किया। प्रारंभ में, उन्होंने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की विभिन्न विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया समय और स्थान दोनों में कैसे एक शिक्षक और शिक्षार्थी समय और स्थान के संदर्भ में अलग हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ओडीई में संस्थागत प्रत्यायन और मिश्रित मीडिया कोर्सवेयर जैसे प्रतिभागियों को शामिल हैं। प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर 52 सत्रों में प्रशिक्षित किया गया जैसे मुक्त और दूरस्थ शिक्षा की प्राथमिकताएँ एवं अधिगम सामग्री का विकास, ऑडियो निर्माण, वीडियो निर्माण और पटकथा लेखन, आईसीटी (शिक्षा प्रबंधन प्रणाली, एमएस, विकिस, ब्लॉग्स एवं सामाजिक मीडिया और शिक्षार्थी सहायता) प्रमुख संस्थानों जैसे - एनसीईआरटी, न्यूपा, इग्नू और एनआईसी के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञों और एनआईओएस के आंतरिक संकाय सदस्यों ने प्रमुख सैद्धांतिक इनपुट और आवश्यक अभ्यास गतिविधियाँ उपलब्ध कराईं। प्रतिभागियों ने एनआईओएस के अध्ययन केंद्रों जैसे फादर एनेल स्कूल और तमन्ना स्पेशल स्कूल, शैक्षिक दृष्टि से अक्षमों के लिए एक विशेष प्रत्यायित संस्थान (एसएआईडी) का भी दौरा किया। उन्हें आईसीटी सक्षम शिक्षा संबंधी अनुभवियों के लिए इग्नू और सीईसी, यूजीसी में एनआईओएस द्वारा आयोजित टेलीकांफ्रेंसिंग कार्यक्रम का भी खुलासा किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र में प्रख्यात गणमान्य अतिथि श्री अपूर्वा चंद्रा, संयुक्त सचिव, मा.स.वि.मं. भी पधारे। मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. एस.एस. जेना ने एनआईओएस को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के लगातार समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। श्री अपूर्वा चंद्रा ने अपने भाषण में प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजन के लिए एनआईओएस द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की और कहा कि सम्मेलन में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग पर विचार-विमर्श किया गया होगा। उन्होंने एनआईओएस के संकाय सदस्यों के लिए एक दौरे को आयोजन करने का भी सुझाव दिया। श्री सुकांत कुमार महापात्रा, शैक्षिक अधिकारी (समाजशास्त्र) एवं प्रशिक्षण कार्यशाला समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत की। समापन सत्र के अंत में डॉ. कुलदीप अग्रवाल, निदेशक (शैक्षिक) एनआईओएस ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

एनआईओएस ने कृति प्रदर्शनी में भाग लिया

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) ने साक्षर भारत महोत्सव के अवसर पर 7-9 सितंबर, 2012 को लखनऊ में आयोजित ''कृति'' प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री बी.एल. जोशी, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश ने 7 सितंबर, 2012 को किया। प्रदर्शनी ने नव-साक्षरों के लिए रोजगार साक्षरता स्तर बढ़ाने और अवसर बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। भारत के उप राष्ट्रपति डॉ. हामिद अंसारी ने 8 सितंबर, 2012 को ''साक्षर भारत महोत्सव'' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री कपिल सिब्बल, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती कृष्णा तीरथ, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), महिला एवं

TRAINING WORKSHOP ON INTERWEAVING OF ICT WITH OPEN AND DISTANCE LEARNING

A 15 days training workshop on Interweaving of ICT with Open and Distance Learning was organised by Capacity Building Cell, Academic Department from 26th Sep, 2012 – 10th Oct, 2012 at Conference Room, Chairman's Block, NIOS. 22 Faculty members from Bangladesh Open University participated in the training workshop. Dr S.S. Jena (Chairman, NIOS) inaugurated the session and felicitated Dr. Mohsin Uddin, Associate Professor, BOU with Bouquet. Then, Dr Kuldeep Agarwal (Director, Academic) told about the objectives of the training-workshop.

Dr Jena delivered the Keynote address and welcomed the participants. He stated how this training programme is a kind of sharing experience for both Bangladesh Open University and NIOS. He propounded that through this learning programme BOU's professional development can take place which is important for curricular renewal process. He underlined Bangladesh's good radio programme system in terms of communication and education. Dr Jena explicated the significance of both Open and Distance Learning, and Information and Communication Technology.

Before the first session, Mr. Mohsin Uddin (Associate Professor, BOU) and Team leader of the delegation gave a brief outline of Bangladesh Open University's courses, timelines and study materials. He further stated the fact of how they can be benefitted by this training-workshop in terms of academics and programme-improvements. Then, Dr. Kuldeep Agarwal (Director, Academic) explained to the participants on "Open and Distance education: Conceptual Analysis, Historical perspective, and Local Contexts". In the beginning, he stated various characteristics of Open and Distance Education. He told, how there is a separation of teacher and learner in both time and place. He indicated that ODE involves institutional accreditation and mixed media courseware including print, radio and multimedia. Participants were trained in 52 sessions on different themes such as Basics of Open and Distance Learning, Development of Self Learning Material, Audio Production, Video Production and script writing, ICT (Learning Management System, MS, Wikis, Blogs and social media and Learner Support. Eminent Resource Persons from premier institutions like NCERT,NUEPA,IGNOU and NIC and internal faculty members from NIOS provided vital theoretical inputs and essential practice activities. The participants also visited study centres of NIOS like Father Angel School and Tamanna Special School, one of the Specially Accredited Institute for Educationally Disabled (SAIED). They were also provided the exposure of Teleconferencing programme organised by NIOS in IGNOU and CEC, UGC for hands on experience related to ICT enabled learning.

The valedictory session of the training workshop was marked with the presence of eminent dignitary Sh. Apurva Chandra, Joint Secretary, MHRD. Welcoming the chief guest and delegates, Dr. S.S. Jena thanked the MHRD for their uninterrupted support. In his speech, Sh. Apurva Chandra appreciated the steps taken by NIOS for organising the training workshop and expressed that the conference would have deliberated upon the use of ICT in open and distance learning. He also suggested for organising exposure visit of the faculty members of NIOS. The comprehensive report of the training workshop was presented by Sh. Sukanta Kumar Mahapatra, Academic Officer (Sociology), and the coordinator of the training workshop. The valedictory session ended with Vote of thanks proposed by Dr. Kuldeep Agarwal, Director (Academic), NIOS.

NIOS PARTICIPATES IN KRITI EXHIBITION

The National Institute of Open Schooling (NIOS) participated in an exhibition "KRITI" at Lucknow from 7-9 September, 2012 organised on the occasion of Saakhar Bharat Mahotsava. The exhibition was inaugurated on 7th September, 2012 by Shri B.L. Joshi, Governor of Uttar Pradesh. The exhibition highlighted government efforts to improve literacy level and consequently livelihood opportunities to neo-literates. The "Saakhar Bharat Mahotsava" was inaugurated on 8th September, 2012 by Dr. Hamid Ansari, Vice President of India. Sh. Kapil Sibal, Minister for Human Resource Development, Govt of India, Smt. Krishna Tirath, Minister of State (Independent Charge), Woman & Child Development,

बाल विकास, भारत सरकार, श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी, राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, श्री अखिलेश यादव, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, श्रीमती अंशु वैश्य, सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, भारत सरकार, श्री जगमोहन सिंह राजू, संयुक्त सचिव, भारत सरकार और महानिदेशक राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण और श्री शिगेरी आयोगी, निदेशक तथा भारत के लिए यूनेस्को प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एनआईओएस अधिकारियों श्री सी. धारूमन, निदेशक (मूल्यांकन), डॉ. ए.के. सिंह, क्षेत्रीय निदेशक (इलाहाबाद) और श्री नेपाल सिंह, पुस्तकाल्याध्यक्ष ने भाग लिया। एनआईओएस ने साक्षर भारत कार्यक्रम के अंतर्गत पदाधिकारियों तथा प्रतिनिधियों को मूल्यांकन पर एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

श्री सी. धारूमन, निदेशक (मूल्यांकन) एवं डॉ. ए.के. सिंह, क्षेत्रीय निदेशक (इलाहाबाद), एनआईओएस स्टॉल में
Seen in the NIOS stall are Sh. C. Dharuman, Director (Evaluation), NIOS and Dr. A.K. Singh, RD, Allahabad

Govt. of India, Smt D. Purandeswari, MOS, Human Resource Development, Govt. of India, Sh. Akhilesh Yadav, Chief Minister, Uttar Pradesh, Smt Anshu Vaish, Secretary, School Education and Literacy, Govt. of India, Sh. Jagmohan Singh Raju, Joint Secretary, Government of India & Director General National Literacy Mission Authority and Mr. Shigeri Aoyogi, Director and UNESCO representative for India were present on this occasion. NIOS officers, Sh. C. Dharuman, Director (Evaluation), Dr. A.K. Singh, Regional Director (Allahabad) and Sh. Naipal Singh, Librarian participated in the event. A documentary on evaluation by the NIOS under Saakhar Bharat Programme was also shown to dignitaries and delegates.

एनआईओएस ने आईडीबीआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

डेबिट और क्रेडिट कार्डों के माध्यम से भुगतान प्रणाली के प्रयोग द्वारा ऑन लाइन शुल्क संग्रह करने के लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) और आईडीबीआई बैंक के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने पूर्व स्नातक स्तर तक सुविधावंचित प्राप्त शिक्षार्थियों/बीच में ही स्कूल छोड़ने वालों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में विश्व की सबसे बड़ी मुक्त विद्यालयी प्रणाली के रूप में एनआईओएस की भूमिका पर प्रकाश डाला।

श्री उदय नारायण खवाड़े, सचिव, एनआईओएस ने कहा कि शिक्षा की देवी के रूप में एनआईओएस और धन की देवी के रूप में आईडीबीआई बैंक का आपसी सहयोग दोनों संस्थानों के आपसी विकास के लिए एक नया कदम होगा।

श्री आलोक सेन गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक, आईडीबीआई बैंक ने अपने संबोधन में एनआईओएस के शिक्षार्थियों के साथ-साथ अधिकारियों को उनकी बैंकिंग संबंधी जरूरतों के लिए हर संभव सहायता देने की पेशकश की है।

NIOS SIGNS MOU WITH IDBI

A Memorandum of Understanding (MoU) has been signed between the National Institute of Open Schooling (NIOS) and IDBI bank for online collection of fee through debit and credit cards using the payment gateway system.

Welcoming the participants to the MoU signing function, Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS highlighted the role of NIOS as the world's largest open schooling system in imparting quality education to the under privileged students/dropouts upto the pre-degree level.

Shri. U.N. Khaware, Secretary, NIOS said that the coming together of the Goddess of Learning in the form of NIOS and Goddess of Wealth in the form of IDBI Bank will usher in a new era for the mutual development of both the institutions.

Shri. Alok Sen Gupta, Chief General Manager, IDBI Bank, in his address, offered to extend all possible assistance to NIOS officials as well as learners for their respective banking needs.

सेवा निवृत्ति

- **श्रीमती गोपा बिस्वास, उप निदेशक (शैक्षिक) एनआईओएस की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुई और तदनुसार उन्हें 30.09.2012 से उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।**
- **श्री शिव कांत मिश्रा, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) एनआईओएस की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए और तदनुसार उन्हें 31.10.2012 से उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।**

SUPERANNUATION

- **Smt.Gopa Biswas, Deputy Director(Academic) has retired from the services of NIOS and was accordingly relieved from her duties w.e.f 30-09-2012.**
- **Sri. Shiva Kant Mishra, Joint Director (Administration) has retired from the services of NIOS and was accordingly relieved from his duties w.e.f. 31-10-2012.**

विषय-वस्तु निर्माताओं के लिए अभिविन्यास कार्यशाला

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान ने ''वेब डिजाइनिंग एवं डेवलपमेंट'' पर एक नए कार्यक्रम के विकास के लिए नेशनल इंफॉरमेटक्स सेंटर (एनआईसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए। इस प्रयास का उद्देश्य वेब डिजाइनिंग में स्कूली स्तर पर शिक्षार्थियों को उन्नति के अवसर प्रदान करना और भारतीय वेबसाइटों के लिए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए एक कार्यक्रम तैयार करना था। इस संबंध में 4.10.2012 को एनआईसी, सीजीओ कॉम्पलैक्स, नई दिल्ली में विषय-वस्तु निर्माताओं और संपादकों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम में 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम मॉड्यूल रूप में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा स्तरों पर चलाया जाएगा। एक शिक्षार्थी इन कार्यक्रमों में से किसी में भी सीधे प्रवेश ले सकता है या अपने अर्जित क्रेडिट के साथ एक कार्यक्रम से दूसरे कार्यक्रम में स्थानांतरण करा सकता है।

ORIENTATION WORKSHOP FOR CONTENT DEVELOPERS

The National Institute of Open Schooling (NIOS) has signed an MoU with National Informatics Centre (NIC) for the development of a new programme on "Web Designing and Development". The objectives of this initiative are to provide vertical and lateral mobility of learners from the school level in web designing course and to develop a programme in accordance with guidelines for Indian Government Websites. In this regard, a one day orientation programme was held on 4.10.2012, at NIC, CGO Complex, New Delhi for the content developers and editors. Twenty two participants attended the orientation programme. This course will be offered in Certificate and Diploma levels in a modular structure. A student can take admission to any of these programmes directly or can move from one programme to another with their earned credits.

एनआईओएस ने राष्ट्रीय कौशल सम्मेलन में भाग लिया

डॉ. के.पी. वासनिक, निदेशक, व्यावसायिक शिक्षा, एनआईओएस ने 20-21 सितंबर, 2012 को कोवलम, तिरूवनंतपुरम, केरल में राष्ट्रीय कौशल सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के संदर्भ में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर एक विस्तृत परिदृश्य प्रस्तुत किया।

इस सम्मेलन का उद्घाटन केरल राज्य के वित्त मंत्री ने किया। सम्मेलन में गैर-सरकारी संगठनों, व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल प्रदान करने वालों और सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया। इसका आयोजन फंक्शनल वोकेशनल ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च सोसायटी (एफवीटीआरएस) बैंगलौर ने किया।

क्षेत्रीय केन्द्रों से ....

भुवनेश्वर

12 सितंबर, 2012

5 सितंबर, 2012 को शिक्षक दिवस के अवसर पर एनआईओएस क्षेत्रीय केन्द्र, भुवनेश्वर ने कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की।

समारोह की शुरुआत रेड क्रॉस सोसायटी, भुवनेश्वर के सहयोग से एक रक्तदान शिविर से हुई। श्री ऋषि कुमार रथ, क्षेत्रीय निदेशक, एनआईओएस ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। एनआईओएस कर्मचारियों और शिक्षा विशेषज्ञों सहित 40 से अधिक शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक इस शिविर में भाग लिया। रक्तदान से पहले एचआईवी, हेपेटाइटिस, सुरक्षित रक्तदान और रक्त-आधान पर एक सक्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। भुवनेश्वर में सुरक्षित रक्त की भारी कमी को ध्यान में रखते हुए डॉ. राखल चन्द्र बहेरा, रक्त बैंक अधिकारी, नगर अस्पताल, भुवनेश्वर ने रक्त दान के दौरान पाए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों से शिक्षार्थियों को अवगत कराया। यह कार्यशाला सुई और रक्त-आधान के असुरक्षित प्रयोग के कारण एचआईवी संक्रमण के खतरों से शिक्षार्थियों को अवगत कराने के साथ-साथ रक्तदान और एचआईवी और हेपेटाइटिस से सुरक्षित रक्त दान करने के लिए शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध हुई। शिविर के परिणामस्वरूप रक्त की 26 यूनिट संग्रह की गई। सभी प्रतिभागियों ने महसूस किया कि यह उनके उन शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक तरीका था जिन्होंने राष्ट्र के भविष्य को शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

इस श्रृंखला में अगला कार्यक्रम प्रभावी व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के लिए समन्वयकों की बैठक और सक्षमता निर्माण कार्यशाला 8-10 सितंबर, 2012 तक भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। पूरे ओडिशा के 70 से भी अधिक समन्वयकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री जगदानंद, सूचना आयुक्त, ओडिशा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस ने समारोह की अध्यक्षता की।

एनआईओएस के शिक्षार्थियों के लिए एक कैरियर मेले का आयोजन 11-12 सितंबर, 2012 तक किया गया जिसमें ओडिशा के विभिन्न जिलों के 40 से अधिक शिक्षार्थियों ने भाग लिया। 'अंतर्निहितता' मेले की मुख्य विशेषता थी, जहाँ अक्षम शिक्षार्थियों ने समान रुचि और उत्साह के साथ भाग लिया। एनआईओएस के शैक्षिक विभाग ने किशोर शिक्षा कार्यक्रम की सहायता से मा.स.वि.मं., यूएनएफपीए के तहत् सभी कार्यक्रमों का आयोजन किया।

NIOS PARTICIPATES IN NATIONAL SKILL CONFERENCE

Dr. K.P.Wasnik, Director Vocational Education, NIOS participated in a two day workshop on National Skill Conference at Kovalam Thiruvananthapuram, Kerala on 20 – 21 Sept. 2012. He presented a detailed scenario on Vocational Training in the context of National Institute of Open Schooling (NIOS).

This conference was inaugurated by the Finance Minister of Kerala State. The conference was attended by NGOs, Vocational Education and skills Providers and Government officials. This was organised by Functional Vocational Training & Research Society (FVTRS) Bangalore.

FROM THE REGIONAL CENTRES ...

Bhubaneswar

September 12, 2012

In Commemmoration of Teacher's Day on September 5, 2012, the NIOS Regional Centre, Bhubaneswar organised a series of events.

The celebrations began with a Blood Donation Camp in collaboration with Red Cross Society of Bhubaneswar. The programme was inaugurated by Mr. Rushi Kumar Rath, NIOS Regional Director. Over 40 learners along with NIOS staff and facilitators enthusiastically participated in the camp. A capacity Building workshop on HIV, Hepatitis Safe Blood Donation and Transfusion was conducted before the donation. Keeping in view the acute shortage of safe blood in Bhubaneswar Dr. Rakhal Chandra Behera, Blood Bank Official, Municipal Hospital, Bhubaneswar sensitized the learners to various safety measures observed during blood donation. Sensitizing the learners to the dangers of HIV infection through the indiscriminate use of needles and blood transfusion the workshop was helpful in empowering learners to donate and seek HIV and Hepatitis safe blood. The camp resulted in collection of 26 units of blood. All the participants felt it was their way of showing respect to their teachers who dedicate their lives to educate the future of nation.

The next programme in the series was a Coordinators' Meet and Capacity Building Workshop for 'Effective Personal Contact Programme' which was held from **8-10th September 2012** in Bhubaneswar. Over 70 coordinators from all over Odisha participated in this programme. The workshop was inaugurated by Sh. Jagdananda, Information Commissioner, Odisha. Dr. S.S Jena, Chairman, NIOS presided over the ceremony.

A Career Mela was organized for NIOS learners on **11-12th September 2012** in which over forty learners from various districts of Odisha participated. 'Inclusivity' was the special feature of the mela where the handicapped learners participated with equal interest and zeal. All the programmes were organized by Academic Department of NIOS under the MHRD-UNFPA supported Adolescence Education Programme.

सफलता की कहानी

अंकिता पायल
अनुक्रमांक सं. : 150003103513

एक प्रेरणात्मक कहानी !

अंकिता पायल की पढ़ाई शारीरिक पीड़ाओं के कारण रुक गई थी जिसके कारण अंकिता को औपचारिक विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत पढ़ाई जारी रखना कठिन लगा था। अपने चचेरे भाई से एनआईओएस के बारे में जानकर, अंकिता ने भुवनेश्वर क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कराया। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वह सिविल सेवा में शामिल होना चाहती है। अंकिता ने बताया कि पाठ्यक्रमों और जब चाहो तब परीक्षा योजना (ओड्स) के संदर्भ में एनआईओएस द्वारा चलाई जा रही सही सुविधाएँ श्रेष्ठ हैं।

अंकिता, किशोर अनुकूल केन्द्र, एनआईओएस क्षेत्रीय केन्द्र, भुवनेश्वर, मित्र द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेती हैं। उन्होंने यूनाईटेड नेशन्स पोपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) द्वारा आयोजित एक राष्ट्र स्तरीय सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में भी भाग लिया। वह एनआईओएस के एक सौ उन्सठ शिक्षार्थियों में से छांटी गई सूची में पांचवें स्थान पर थी जिनकी रचनाएँ पूरे देश के सीबीएसई, एनवीएस एवं केवीएस विद्यार्थियों की तुलना में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अग्रेषित की गई थी। यह जानकर अंकिता की खुशी का ठिकाना न रहा जब उसे पता चला कि उसकी रचनाओं के उद्धरण यूएनएफपीए डेस्क कलेंडर में शामिल किए गए हैं। उसने महसूस किया कि मित्र द्वारा आयोजित 'सृजनात्मक लेखन क्लीनिक' ने उसके लेखन कौशल को सुधारने में उसकी मदद की है और उसने दूसरों से अनुरोध किया कि वह समक्ष आकर इन सुविधाओं का प्रयोग करें।

अंकिता को पटकथाएं लिखना और निर्देशन पसंद है। उसे अपने खाली समय में संगीत सुनना और कम्प्यूटर पर खेलना पसंद है। वे अपने अध्ययन के अलावा 3 डी एनीमेशन और निर्देशन भी सीख रही है।

एनआईओएस द्वारा उपलब्ध क्षेत्र और माहौल ने अंकिता को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने व दूसरों को प्रेरणा प्रदान करने में सक्षम बनाया है।

Success Story

ANKITA PAYAL
Enrolment No: 150003103513

An inspiring tale!

With studies being hampered by ailments, Ankita Payal found it difficult to continue education under formal schooling. Having learnt about the NIOS from her cousin, Ankita enrolled for the Senior Secondary course in the Bhubaneswar region. Aspiring to join the Civil Services after completing her studies, Ankita shared that the flexibilities offered by the NIOS in terms of its Courses and On Demand Examination System (ODES) were exceptional.

Ankita is a regular participant in various programmes conducted by MITRA, the Adolescent Friendly Centre in the NIOS Regional Centre, Bhubaneswar. She also participated in a national level creative writing competition organized by United Nations Population Fund (UNFPA). She was one of the five shortlisted candidates out of one hundred and fifty nine NIOS learners whose writing pieces were forwarded for the national competition against students of CBSE, NVS and KVS from the entire country. Ankita's joy knew no bounds when she was informed that excerpts from her writings had found a place in the UNFPA Desk Calendar. She felt that the 'Creative Writing Clinic' organized by MITRA helped her immensely in honing her writing skills and urges others to come forward to use these facilities.

Ankita loves writing screenplays and direction. Listening to music and playing computer games are what she likes to do in her leisure time. Besides her studies, Ankita is also learning 3D Animation and direction.

The scope and environment provided by the NIOS has enabled Ankita to showcase her talent, providing inspiration to many more !

सम्पादक मंडल

- एस.एस. जेना, अध्यक्ष, एनआईओएस : प्रधान संपादक
- यू.एन. खवाड़े, सचिव : सदस्य
- कुलदीप अग्रवाल, निदेशक (शैक्षिक) : परामर्शी संपादक
- संयम भारद्वाज, निदेशक (वि.स.से.) : सदस्य
- सौम्या राजन, शैक्षिक अधिकारी : सदस्य
- नीलिमा पंत, शैक्षिक अधिकारी : सदस्य
- गौरी दिवाकर, जनसंपर्क अधिकारी : संपादक

Editorial Board

- S.S. Jena, Chairman, NIOS : Chief Editor
- U. N. Khaware, Secretary : Member
- Kuldeep Agarwal, Director (Academic) : Consulting Editor
- Sanyam Bhardwaj, Director (SSS) : Member
- Saumya Rajan, Academic Officer : Member
- Neelima Pant, Academic Officer : Member
- Gowri Diwaker, PRO : Editor

निर्माण
डी.एन. उप्रेती, प्रकाशन अधिकारी

Production
D.N. Upreti, Publication Officer

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा, उ.प्र.
वेबसाइट : www.nios.ac.in
टॉल फ्री नं. 1800 180 9393

National Institute of Open Schooling
A-24-25, Institutional Area, Sector-62, NOIDA, UP
Website : www.nios.ac.in
Toll Free No. 1800 180 9393